

**अद्वेष** वि. (तत्.) 1. द्वेषरहित 2. जो बैर न रखे असूया-रहित 3. शांत पुं. द्वेष का अभाव।

**अद्वैत** वि. (तत्.) 1. जो द्वैत न हो, अभिन्न, एकमेव 2. बेजोड़, एकाकी पुं. (तत्.) अभेद, द्वैत या भेद का अभाव, जीव और ब्रह्म में भेद न होने या न मानने के कारण केवल ब्रह्म की सत्ता की विद्यमानता।

**अद्वैतवाद** पुं. (तत्.) यह सिद्धांत कि जीव और ब्रह्म में अद्वैत अर्थात् अभेद होता है, इसके अनुसार ब्रह्म को जगत का उपादान-कारण मानकर संपूर्ण प्रत्यक्षादि द्वारा सिद्ध विश्व को भी ब्रह्म में आरोपित किया जाता है।

**अद्वैतवादी** वि. (तत्.) 1. अद्वैत मत को मानने वाला, ब्रह्म और जीव को एक मानने वाला 2. शांकर वेदांत का अनुयायी पुं. अद्वैतवाद के सिद्धांत को मानने वाला व्यक्ति।

**अद्वैत वेदांत** पुं. (तत्.) दर्श. शंकराचार्य द्वारा प्रतिपादित अद्वैत दर्शन जिसमें एकमात्र ब्रह्म की सत्ता सत्य मानी गई है।

**अद्वैती** वि. (तत्.) 1. अद्वैतवासी, अद्वैत, 2. ब्रह्म और विश्व, ब्रह्म और जीव, आत्मा और जड़ पदार्थों की एकता करने वाला।

**अधः** अव्यय. (तत्.) नीचे, तले, नीचे की ओर, नीचे का, अधः का कभी कभी अधो रूप प्रयुक्त होता है जैसे- अधोगति, अधोभाग।

**अधःऊर्ध्व** क्रि.वि. (तत्.) 1. नीचे और ऊपर/ऊपर-नीचे 2. नीचे से ऊपर तक 3. इससे आगे/ऊपर।

**अधःकर** पुं. (तत्.) हाथ का निचला भाग।

**अधःकरण** पुं. (तत्.) 1. पराजय, हार, पराभव 2. नीचे गिरना, अधःपात 3. नीचे करना, पतन करना।

**अधःकर्तित विसर्प** पुं. (तत्.) भूवि. घाटी की भित्तियों द्वारा परिबद्ध विसर्प जो किसी नदी के नीचे की ओर कटने से बनता है।

**अधःकर्म** पु. (तत्.) निम्न कोटि का कर्म।

**अधःकाय** पु. (तत्.) शरीर का अधरांग या निचला हिस्सा।

**अधःपतन** पु. (तत्.) 1. नीचे की ओर गिरना, अधोगति 2. अवनति।

**अधःपतित** वि. (तत्.) 1. जिसका अधःपतन हुआ हो/जो नीचे की ओर गिरा हो 2. जिसकी अवनति हुई हो 3. जिसकी दुर्गति हुई हो, दुर्दशा प्राप्त।

**अधःपात** पु. (तत्.) दे. अधःपतन।

**अधःशयन** पुं. (तत्.) 1. नीचे सोना 2. भूमि पर सोना।

**अधःस्वस्तिक** पुं. (तत्.) खगोल. 1. आकाश मंडल का वह स्थान जो दर्शक के ठीक नीचे हो। अधोबिंदु 2. शीर्ष बिंदु के ठीक विपरीत दिशा का या नीचे का बिंदु जो क्षितिज का दक्षिणी ध्रुव कहलाता है।

**अध** वि. (तद्.) अर्ध या 'आधा' विशेषणसूचक शब्द का समस्त पद में प्रयुक्त रूप।

**अध** क्रि.वि. (तत्.) (समासयुक्त पद के आरंभ में) अर्ध, आधा जैसे- अधकहा, अधखिला।

**अधकचरा** वि. देश. 1. अपरिपक्व, अपूर्ण 2. अधूरा 3. अकुशल, अदक्ष वि. (तद्.) दरदरा, अधपिसा, अधकुटा।

**अधकच्छ** पुं. (तद्.) नदी के किनारे की वह ऊँची ढलुई भूमि जो नदी की सतह में मिल जाती है।

**अधकछार** पुं. (तद्.) पहाड़ के अंचल की वह भूमि जो प्रायः बहुत उपजाऊ और हरी भरी होती है।

**अधकट** वि. (तद्.+देश.) 1. आधा कटा हुआ 2. निर्धारित दूरी का आधा भाग।

**अधकपारी, अधकपाली** स्त्री. (तद्.) आधे सिर में होने वाला दर्द जो सूर्योदय से दोपहर तक बढ़ता है, दोपहर बाद कम होता है और सूर्यास्त के समय समाप्त हो जाता है, आधासीसी। migraine

**अधकहा** वि. (तद्.) आधा कहा हुआ, स्पष्ट रूप में या आधा उच्चारण किया गया।